रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 22 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 150 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

राम मंदिर चढ़ावा

मामला: SIT जांच में मिलीं अनियमितताएं, FIR की तैयारी

अयोध्या स्थित Ram Mandir में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) को शुरुआती जांच में कई खामियां मिलने की जानकारी सामने आई है। सात दिनों तक चली जांच के दौरान चढ़ावे के संग्रह, रिकॉर्ड और प्रबंधन से संबंधित प्रक्रियाओं की गहन पड़ताल की गई। सूत्रों के अनुसार जांच में कुछ ऐसी विसंगतियां सामने आई हैं, जिनके आधार पर अब एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। जांच टीम ने संबंधित दस्तावेजों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड का परीक्षण किया है। साथ ही मामले से जुड़े कर्मचारियों और जिम्मेदार अधिकारियों से भी पूछताछ की गई है। बताया जा रहा है कि चढ़ावे की गणना, रिकॉर्ड संधारण और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कुछ बिंदुओं पर गंभीर सवाल उठे हैं। हालांकि जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन और जांच एजेंसियां सतर्कता के साथ कार्रवाई कर रही हैं। यदि जांच में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या लापरवाही प्रमाणित होती है।

NEET परीक्षा के चलते रुका प्रधानमंत्री का काफिला,

एयरपोर्ट पर 45 मिनट इंतजार के बाद निकले पीएम मोदी

नई दिल्ली। देशभर में आयोजित हो रही NEET-UG की दोबारा परीक्षा के बीच एक दिलचस्प और अहम घटना सामने आई, जब प्रधानमंत्री Narendra Modi को एयरपोर्ट पर करीब 45 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। वजह थी देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG, जिसके लिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई थी। परीक्षा शुरू होने तक प्रधानमंत्री का काफिला एयरपोर्ट परिसर में ही रुका रहा और दोपहर 2 बजे परीक्षा शुरू होने के बाद ही वे अपने घर के लिए रवाना हुए। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब पूरे देश में NEET-UG की दोबारा परीक्षा को लेकर अभूतपूर्व सतर्कता बरती जा रही है।

पिछली परीक्षा में अनियमितताओं, पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद National Testing Agency यानी एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने का फैसला लिया था। इस फैसले के बाद परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सक्रिय हैं।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी एक आधिकारिक दौरे से लौटे थे और एयरपोर्ट पर उनके निकलने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान सुरक्षा

एजेंसियों और प्रशासन ने जानकारी दी कि आसपास के मार्गों पर NEET परीक्षा के लिए लाखों छात्रों की आवाजाही जारी है। ऐसे में प्रधानमंत्री के काफिले के निकलने से ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती थी और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। इसी को ध्यान में रखते हुए पीएम मोदी ने स्वयं भी इंतजार करना उचित समझा। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री करीब 45 मिनट तक एयरपोर्ट लाउंज में रुके रहे। दोपहर 2 बजे जैसे ही परीक्षा औपचारिक रूप से शुरू हुई और सड़कों पर परीक्षार्थियों की आवाजाही कम हुई, उसके बाद उनका काफिला रवाना हुआ। इस फैसले को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि यह एक संदेश भी है कि छात्रों की सुविधा और परीक्षा की निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बार NEET-UG परीक्षा देशभर के 5,440 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है, जबकि विदेशों में भी 14 केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में 22 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल हो रहे हैं, जो इसे देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक बनाता है। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए हैं। हर परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, मेटल डिटेक्टर और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। कई शहरों में ट्रैफिक रूट डायवर्ट किए गए हैं और परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष कंट्रोल रूम बनाए गए हैं।

फादर्स डे पर रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात, पिता ने मासूम बेटे की ली जान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है जिसने फादर्स डे जैसे खास दिन को मातम में बदल दिया। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर स्थित लखपत कॉलोनी पार्ट-2 में एक पिता ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपने ही दो साल के मासूम बेटे को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और लोगों के बीच गहरा आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक, घटना 19 जून की दोपहर करीब 1:30 बजे की है। पुलिस को घरेलू हिंसा की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि घर के अंदर मारपीट की गंभीर घटना हुई है। पूछताछ में बच्चे की मां आरती ने बताया कि उसका पति चंदन शर्मा लंबे समय से शराब और नशे का आदी है और अक्सर घर में विवाद करता रहता था। घटना वाले दिन भी किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद चंदन का गुस्सा बेकाबू हो गया। बताया जा रहा है कि गुस्से में आरोपी ने

पहले अपनी पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की और फिर अपने ही दो साल के बेटे को भी नहीं बख्शा। मासूम बच्चे को इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों और पड़ोसियों की मदद से बच्चे को तुरंत सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। मां आरती का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसियों का कहना है कि आरोपी अक्सर नशे की हालत में घर आता था और छोटी-छोटी बातों पर पत्नी और परिवार के साथ झगड़ा करता था। लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि एक दिन यह विवाद इतनी भयावह घटना में बदल जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने आरोपी पिता चंदन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर हत्या और घरेलू हिंसा की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू हिंसा और नशे की लत के खतरनाक परिणामों को उजागर किया है। जिस दिन बच्चों और परिवार के प्रति प्रेम और सम्मान जताने का संदेश दिया जाता है, उसी दिन एक पिता द्वारा अपने ही मासूम बेटे की हत्या ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। इलाके में इस घटना को लेकर लोगों में दुख और गुस्से का माहौल बना हुआ है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया से कांग्रेस नेताओं की आत्मीय मुलाकात, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

महू/इंदौर ग्राम राजोदा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह चौहान के निवास पर मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चूरहट विधायक अजय सिंह 'राहुल भैया' से कांग्रेस

नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की आत्मीय मुलाकात हुई। इस दौरान कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने एवं आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया कि बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा जनहित के मुद्दों को लेकर रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल भैया ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पदयात्रा कर देश के आम नागरिकों की समस्याओं और भावनाओं को समझने का कार्य किया है। उसी प्रेरणा से वे भी प्रदेशभर में कांग्रेस के जमीनी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार दौरे कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं और संगठन की मजबूती के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। साथ ही आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजय सिंह चौहान, डॉ. महेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, राजवीर सिंह बघेल, जिला अध्यक्ष मनीष चौधरी, जितेंद्र सिंह ठाकुर, जुगनू जादवसिंह धनावत, अशोक नागर, गणेश यादव, घनश्याम यादव, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने संगठन को मजबूत बनाने और आगामी जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया। अजयसिंह चौहान ने आभार माना।

28 जून को मानव अधिकार जागरूकता रैली, जनसुनवाई व सम्मान समारोह

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग द्वारा हर घर मानव अधिकार अभियान के अंतर्गत 28 जून को फूलबाग से सागरताल तक मानव अधिकार जन-जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह तोमर करेंगे।

रैली के माध्यम से आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। रैली के बाद शिव विहार कॉलोनी, सागरताल में जनसभा, जनसुनवाई, वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य पदार्थों में मिलावट, पुलिस विभाग सहित विभिन्न जनसमस्याओं की सुनवाई कर उनके निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय के माध्यम से निराकृत शिकायतों की विवरणिका का विमोचन भी किया जाएगा।

कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रविंद्र लोधी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि मध्यप्रदेश शासन के महाधिवक्ता राजेश शुक्ला एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र सिंह भदौरिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण अभियान से प्रेरित होकर वृक्षारोपण किया जाएगा तथा मानव अधिकार कार्यकर्ताओं को "मानव अधिकार सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा।

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

अवैध रूप से स्थापित प्रतिमा हटाई, जांच जारी

हेमंत भार्गव

कोलारस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार तहसील कोलारस के ग्राम अनंतपुर में शासकीय भूमि पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने के मामले में प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से स्थापित प्रतिमा को हटाकर शासकीय अभिरक्षा में ले लिया है। मामले में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अनंतपुर में कुछ व्यक्तियों द्वारा गत रात्रि बिना सक्षम अनुमति के ग्राम की आम निस्तार हेतु आरक्षित शासकीय भूमि पर प्रतिमा स्थापित कर दी गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

एसडीएम कोलारस ने बताया कि बिना अनुमति इस प्रकार की गतिविधियों से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हो सकती थी। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रतिमा को हटाकर सुरक्षित अभिरक्षा में ले लिया। प्रकरण में संलिप्त एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई है, जबकि अन्य संबंधित व्यक्तियों की पहचान कर जांच की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, अतिक्रमण अथवा बिना अनुमति निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

"सामाजिक सौहार्द और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, प्रशासन ने दिखाई तत्परता"

उदयपुर की 'वूमेन्स नाइट रन' ने महिलाओं की सुरक्षा का दिया सशक्त संदेश

भारत के सबसे भारी लहंगे में दौड़कर अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता नित्या सिंह बनीं आकर्षण का केंद्र

उदयपुर। महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास और रात के समय सार्वजनिक स्थानों पर उनके अधिकार को लेकर आयोजित 'वूमेन्स नाइट रन' ने उदयपुर की सड़कों पर सामाजिक जागरूकता, खेल भावना और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। इस विशेष आयोजन का सफल नेतृत्व Yashwant Foundation द्वारा किया गया। संस्था की संस्थापक Kanika अपने दिवंगत पिता के सामाजिक सेवा के सपने को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से फाउंडेशन का संचालन कर रही हैं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता एथलीट Nitya Singh रहीं। उन्होंने भारत के सबसे बड़े और सबसे भारी पारंपरिक लहंगे को पहनकर पूरी नाइट रन सफलतापूर्वक पूरी की। उनकी यह अनूठी प्रस्तुति कार्यक्रम में मौजूद लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। नित्या सिंह की इस ऐतिहासिक दौड़ ने समाज को एक मजबूत संदेश दिया कि महिलाओं की वेशभूषा या रात का समय कभी भी उनकी स्वतंत्रता, सुरक्षा और आत्मविश्वास में बाधा नहीं बनना चाहिए। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण और समान अवसर प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। संस्था की संस्थापक कनिका जी ने कहा कि यशवंत फाउंडेशन भविष्य में भी महिलाओं की सुरक्षा, समानता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। साथ ही महिलाओं की आत्मरक्षा और सुरक्षा से जुड़े जन-जागरूकता अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के समर्थन में अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

रणजीत टाइम्स
"सशक्त महिला, सुरक्षित समाज की आधारशिला है।"

नि:शुल्क कैरियर मार्गदर्शन एवं गौतम गौरव सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

राजेश धाकड़

इंदौर। श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास द्वारा आयोजित नि:शुल्क कैरियर मार्गदर्शन एवं गौतम गौरव सम्मान समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं कैरियर निर्माण को लेकर विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ख्यात शिक्षाविद् एवं मैनेजमेंट एक्सपर्ट डॉ. पी. एन. मिश्रा रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और निरंतर मेहनत सबसे महत्वपूर्ण है। सही समय पर सही मार्गदर्शन मिलने से विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री संजीव वैद्य, वरिष्ठ सिविल सेवा मार्गदर्शक, जिन्होंने विगत 27 वर्षों से UPSC एवं MPPSC परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है, ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, रणनीति एवं साक्षात्कार की तैयारी को लेकर विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी दी। वहीं डॉ. रितेश जोशी, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी इंदौर ने आधुनिक शिक्षा, तकनीकी क्षेत्र एवं भविष्य के अवसरों पर अपने विचार रखे। श्री प्रदीप उपाध्याय, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट फाइनेंस, अग्रवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज इंदौर ने विद्यार्थियों को करियर के साथ-साथ कौशल विकास पर ध्यान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को गौतम गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को नि:शुल्क कैरियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उन्हें सही दिशा प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा ग्राम रजला से पांच लाख से अधिक की अवैध शराब जप्त की

झाबुआ। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु नवागत कलेक्टर झाबुआ,डॉ.योगेश तुकाराम भरसट एवं इंदरसिंह जामोद उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता इंदौर संभाग इंदौर द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों

के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध नवागत जिला आबकारी अधिकारी झाबुआ रविन्द्र मानिकपुरी के निर्देशन में आज दिनांक 20 जून को मुखबिर कि सूचना पर ग्राम रजला मे रिहायशी मकान एवं ढाबे से विदेशी मदिरा माउण्ट कैन बीयर 24 पेटी, किंगफिशर कैन बीयर 07 पेटी, बडवाइजर मैगनम कैन बीयर 03 पेटी, किंगफिशर स्ट्रांग बीयर बोतल 02 पेटी, गोवा व्हिस्की 08 पेटी, लंदन प्राईड व्हिस्की 13 पेटी, बैगपाइपर व्हिस्की 09 पेटी, रॉयल स्टैग व्हिस्की 06 पेटी कुल- 72 पेटी (कुल-737.52 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर मौके पर से फरार अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि 5,07,360/- रूपये होना पाया।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई व आबकारी स्टाफ आबकारी उपनिरीक्षक अकलेश सोलंकी, आरक्षक मदन राठौड, श्रीराम शर्मा, पवन गाडरिया, विजय चौहान, पुष्पा बारिया व विद्या डामोर एवं वाहन चालक बहादुर व दिपक का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

बिलिडोज में अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में एफआईआर दर्ज

सलीम हुसैन

जिले में अवैध कॉलोनी निर्माण एवं नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है

झाबुआ। इसी क्रम में ग्राम बिलिडोज, तहसील झाबुआ स्थित भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित किए जाने के मामले में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 61-घ (3) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ महेश कुमार मंडलोई ने बताया कि तहसीलदार झाबुआ द्वारा राजस्व प्रकरण के तहत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जांच में पाया गया कि अजय पीठवा पिता कन्हैयालाल पीठवा, श्रीमती अर्चना पति अशोकसिंह राठौर, आबिद हुसैन कुरेशी पिता सलीम हुसैन कुरेशी, आशिफ शेख पिता शेख मुबारिक, इफतेखार अली पिता हैदर अली, इमरान शेख पिता मोहम्मद वली शेख तथा मोहम्मद खान पिता इब्राहिम खान, निवासी ग्राम बिलिडोज, तहसील झाबुआ द्वारा ग्राम बिलिडोज स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 75/1, रकबा 0.48 हेक्टेयर का टुकड़ों में विक्रय किया गया।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित भूमि का नियमानुसार व्यपवर्तन नहीं कराया गया तथा सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग से ले-आउट नक्शा अनुमोदित नहीं कराया गया। साथ ही कॉलोनाइजर नियमों एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों का पालन किए बिना ही कॉलोनी विकसित किए जाने की कार्रवाई की जा रही थी, जिससे अवैध कॉलोनी निर्माण को बढ़ावा मिला। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ महेश कुमार मंडलोई ने बताया कि प्रकरण में राजस्व एवं पंचायती विकास संबंधी नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनी निर्माण, बिना अनुमति भू-विकास तथा भूमि के अवैध विक्रय के मामलों में प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

अमर पद

जरा से झुकता है तन सारा,
मृत्यु का बंधन जग पर भारी।
क्षणभंगुर है यह देह हमारी,
पर आत्मा रहती है अविनाशी।

धन-दौलत सब यहीं रह जाते,
साथ न जाता वैभव सारा।
सत्कर्मों की ज्योति जलाकर,
पार करो जीवन की धारा।

जो सत्य, प्रेम और धर्म अपनाए,
वही अमरता का पथ पाता है।
शरीर भले मिट्टी में मिल जाए,
नाम सदा जग में रह जाता है।॥

गोपाल गावंडे -भावात्मक रचना

स्वर्गीय श्री रामदास गावंडे (पाटील)

पापा, आपका वो साथ आज भी याद आता है,
हर संघर्ष में आपका चेहरा नजर आता है।

कंधों पर जिम्मेदारियों का संसार उठाया,
अपने सपनों को छोड़ हमें आगे बढ़ाया।

हजारों घरों की छतों पर कावेलू सजाए,
दीवारों में अपने श्रम और संस्कार बसाए।

धूप में तपकर, बारिश में भीगकर काम किया,
अपने बच्चों के हर सपने को नाम दिया।

रोटी कमाकर हमें सम्मान से जीना सिखाया,
मेहनत और ईमानदारी का रास्ता दिखाया।

आज जो गोपाल और कैलाश इस मुकाम पर हैं,
वो आपके त्याग और आशीर्वाद का परिणाम हैं।

आप नहीं हैं, पर आपका आशीष साथ है,
हमारी हर सफलता में आपका ही हाथ है।

श्रद्धेय पिता श्री रामदास गावंडे (पाटील) को शत्-शत् नमन "जिनके श्रम की नींव पर खड़ा है हमारा वर्तमान, उनकी स्मृति रहेगी सदा हमारे सम्मान।"

बिना प्रयास ध्यान: सहज योग की विशेषता

वर्तमान समय में मेडिटेशन (ध्यान) के प्रति लोगों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है, और यह अब केवल आध्यात्मिक अभ्यास न रहकर एक वैश्विक स्वास्थ्य प्रवृत्ति बन गया है। भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ते मानसिक तनाव और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण लोग अब मानसिक शांति की तलाश में ध्यान की ओर रुख कर रहे हैं। परंतु ध्यान की सही विधि और इसके साइंस को समझे बिना ध्यान मात्र एक क्रिया बनकर रह जायेगी। मेडिटेशन (ध्यान) की सही विधि में मुख्य बाधाएं अति-विचार (Overthinking), शारीरिक बेचैनी, नींद/आलस्य, ध्यान न लगना और परिणाम के लिए जल्दबाजी हैं। इन्हें दूर करने के लिए प्रतिदिन एक ही समय पर नियमानुसार अभ्यास करना होगा, आरामदायक आसन पर बैठकर पहले सांसों पर ध्यान केंद्रित कर और विचारों को जबरदस्ती रोकने के बजाय साक्षी भाव से देखने का अभ्यास करना होगा।

सहज योग एक ऐसी अद्वितीय ध्यान पद्धति है जो 1970 में श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित की गई थी, जिसके माध्यम से कुण्डलिनी ऊर्जा को सहजता से और लगभग

बिना किसी प्रयास के जाग्रत किया जा सकता है जो ध्यान की गहनता के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है। सहज योग ध्यान पद्धति आत्म-साक्षात्कार (Self-Realization) के द्वारा आत्म-ज्ञान और आंतरिक शांति प्राप्त करने की एक स्वैच्छिक और निःशुल्क विधि है। सहज योग पद्धति में आसन, प्राणायाम या कठिन मानसिक अनुशासन के बिना सीधे कुंडलिनी शक्ति जाग्रत होती है। सहज योग में ध्यान, मन को सप्रयास नियंत्रित नहीं करता है बल्कि यह स्वतः ही "विचार-रहित जागरूकता" की स्थिति लाता है, जहाँ मन शांत और स्पष्ट हो जाता है। इसमें सचेत प्रयास की आवश्यकता नहीं होती; केवल दृढ़ इच्छा और समर्पण से ध्यान लगता है। यह तकनीक पूरी तरह से निःशुल्क है और इसे कोई भी, कभी भी और कहीं भी इसका अभ्यास कर सकता है। यह न केवल आध्यात्मिक विकास करता है, बल्कि मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन भी लाता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। सहज योग के माध्यम से व्यक्ति अपने स्वयं का गुरु बन जाता है आत्म-संतोष, आनंद और आंतरिक शांति की अनुभूति पाने की विधि वह स्वंय सीख लेता है।अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

पिता

पिता केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होते हैं। वे स्वयं कठिनाइयों में रहकर भी अपने बच्चों के सपनों को पंख देते हैं। उनका त्याग, संघर्ष और संस्कार ही परिवार की असली पूंजी है।"पिता की दौलत धन नहीं, उनके दिए हुए संस्कार होते हैं। पिता की विरासत जमीन नहीं, बच्चों की सफलता होती है।"

Father's Day के अवसर पर उन सभी पिताओं को नमन, जिन्होंने अपने परिवार के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। पिता का सम्मान करें, उनका आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत है।

Happy Father's Day

रणजीत टाइम्स परिवार
"सच के साथ, समाज के साथ"

थाना करैरा पुलिस द्वारा द्वारा 11 पेटी देशी प्लेन शराब कीमती 55 हजार सहित मारूति स्विफ्ट डिजायर कार को किया जप्त

हेमंत भार्गव

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया के द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराव की धरपकड, के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे अति० पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के निर्देशन एवं एस.डी.ओ.पी. प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना करैरा पुलिस को आज दिनांक 21.06.2026 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अपनी मारूति स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक UP 15 DD 4002 मे अवैध शराव

रखकर झांसी से शिवपुरी तरफ जा रहा है मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु टीला रोड तिराहे पर मय फोर्स के चैकिंग लगाई तो झाँसी तरफ से मारूति स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक UP 15 DD 4002 आती दिखी जिसके चालक ने पुलिस को देख कार को राँग साईड से तेजी से चला कर शिवपुरी तरफ ले कर भागा जिसका पीछा किया तो आईटीवी की वाऊन्ड्री के पीछे कलोथरा पथरीले क्षेत्र मे ले गया कार पत्थर से टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गई एवं आगे रास्ता बंद होने से चालक कार को मौके पर छोड कर चाबी लेकर भाग गया। कार की डिग्गी को खोल कर चैक किया तो कार में 11 पेटी देशी प्लेन मदिरा की प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वाटर कुल 550 क्वाटर देशी प्लेन शराव कुल मात्रा 99 बल्क लीटर कीमती 55 हजार रू रखी पाई गई आरोपी का कृत्य धारा 34 (2) आवकारी एक्ट का दण्डनीय पाया जाने से, आरोपी के विरुध्द अपराध क्रमांक 415/26 धारा 34 (2) आबकरी एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। मारूति स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक UP 15 DD 4002 के रजिस्ट्रेशन को चैक किया गया तो हृदेश राजपूत निवासी रक्सा झांसी के नाम से आ रही है। आरोपी की तलाश की जा रही है बरामद माल 11 पेटी देशी प्लेन शराव कीमती 55 हजार रूपये स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक UP 15 DD 4002 कीमती 06 लाख रूपये। सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी करैरा निरी० श्री विनोद छावई, उनि राजकुमार चाहर, प्रआर 689 वीरेन्द्र सिंह, आर. 338 हरेन्द्र गुर्जर, आर. 1165 मत्सयेन्द्र गुर्जर, आर 847 शिवम यादव ।

मध्यप्रदेश में हज़ारों बच्चों को ढंग से भोजन नहीं मिल पा रहा और सरकार योग में व्यस्त...?

राजेश धाकड़

मध्यप्रदेश बड़ा ही अद्भुत प्रदेश है। यहां समस्याएं भी सरकारी प्रेस नोट देखकर आती हैं और समाधान भी कैमरे की फ्लैश देखकर पैदा होते हैं। प्रदेश में अगर कोई बच्चा कुपोषण का शिकार हो जाए तो यह चिंता का विषय कम और आंकड़ों का विषय ज्यादा बन जाता है। लेकिन यदि योग दिवस का आयोजन हो तो पूरा सरकारी अमला ऐसे सक्रिय हो जाता है जैसे प्रदेश की सारी समस्याओं का समाधान आज ही होने वाला हो। 21 जून को सुबह-सुबह मंत्री, विधायक, सांसद, कलेक्टर, कमिश्नर, एसपी और विभागों के कर्मचारी योगा मैट लेकर मैदान में पहुंच जाते हैं। कैमरे लगते हैं, ड्रोन उड़ते हैं, सोशल मीडिया टीम सक्रिय होती है और फिर शुरू होता है स्वस्थ मध्यप्रदेश का महाअभियान। दूसरी तरफ उसी प्रदेश के किसी गांव में कोई बच्चा आंगनवाड़ी में मिलने वाले भोजन का इंतजार कर रहा होता है। कोई मां अपने कुपोषित बच्चे को गोद में लेकर अस्पताल की लाइन में खड़ी होती है और कोई परिवार दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा होता है। मध्यप्रदेश का इतिहास बड़ा विचित्र रहा है। कभी यह बीमारू राज्यों की सूची में गिना जाता था। फिर विकास की ऐसी गंगा बही कि सरकारी विज्ञापनों में प्रदेश स्वर्ग बन गया। लेकिन जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें सामने आती हैं तो पता चलता है कि कुपोषण, मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, महिला अपराध और शिक्षा जैसी अनेक चुनौतियां आज भी प्रदेश के सामने मुंह बाए खड़ी हैं।

सरकार कहती है कि योग स्वास्थ्य का आधार है। बात बिल्कुल सही है। योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भूखे पेट योग संभव है? जिस बच्चे के शरीर में पोषण की कमी हो, जिसकी हड्डियां कमजोर हों, जिसकी आंखों में चमक के स्थान पर कुपोषण की पीड़ा हो, वह सूर्य नमस्कार करेगा या भोजन की तलाश करेगा? लगता है प्रदेश में अब एक नया सिद्धांत लागू हो गया है"पहले योग, बाद में भोजन।" यदि यही चलता रहा तो आने वाले समय में आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों को खिचड़ी और

दाल की जगह योगासन सिखाए जाएंगे। राशन की दुकानों पर गेहूं और चावल की जगह प्राणायाम की पुस्तकें बांटी जाएंगी। और यदि किसी गरीब ने भोजन की मांग कर दी तो उसे सलाह दी जाएगी कि अनुलोम-विलोम करने से भूख पर नियंत्रण पाया जा सकता है। लेकिन प्रदेश की वास्तविकताएं इससे भी अधिक कठोर हैं।

प्रदेश में अनेक क्षेत्रों में आज भी स्वच्छ पेयजल की समस्या बनी हुई है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। शिक्षा व्यवस्था में भी अनेक चुनौतियां हैं। सरकारी स्कूलों में सुविधाओं की कमी, शिक्षकों के रिक्त पद और संसाधनों का अभाव लगातार चर्चा का विषय बने रहते हैं। लेकिन इन सबके बीच सबसे ज्यादा जरूरी यह साबित करना हो गया है कि योग दिवस का आयोजन ऐतिहासिक रहा। सरकारी मशीनरी का एक बड़ा हिस्सा कई दिनों तक आयोजन की तैयारियों में लगा रहता है। मैदान सजते हैं, मंच बनते हैं, बैनर लगते हैं और फिर हजारों लोगों की उपस्थिति का दावा किया जाता है। अगले दिन अखबारों में तस्वीरें छपती हैं और अधिकारियों को बधाई मिलती है। मगर किसी अखबार के कोने में छपी वह खबर शायद ही किसी का ध्यान खींच पाती है जिसमें किसी कुपोषित बच्चे की मौत, किसी महिला के साथ अपराध या किसी ग्रामीण क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के अभाव की बात होती है। मध्यप्रदेश में महिला अपराधों के आंकड़े भी लंबे समय से चिंता का विषय बने हुए हैं। हर वर्ष हजारों मामले दर्ज होते हैं। कई बार सरकार और प्रशासन कठोर कार्रवाई का दावा करते हैं, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि समस्या अभी भी गंभीर है। यही स्थिति बच्चों की सुरक्षा और लापता बच्चों के मामलों में भी दिखाई देती है। मगर इन मुद्दों पर उतनी ऊर्जा दिखाई नहीं देती जितनी किसी सरकारी आयोजन की सफलता साबित करने में लगाई जाती है। प्रदेश की राजनीति भी कम दिलचस्प नहीं है। सत्ता पक्ष उपलब्धियों के गीत गाता है और विपक्ष विफलताओं की सूची पढ़ता है। जनता दोनों को सुनती है और फिर अपने जीवन की वास्तविकताओं में लौट जाती है। उसे न तो बड़े-बड़े दावों से पेट भरता है और न ही राजनीतिक भाषणों से जीवन आसान होता है। उसे चाहिए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा। लेकिन इन विषयों पर काम करने की तुलना में कार्यक्रम आयोजित करना शायद अधिक आसान है।

आज यदि किसी गांव में जाकर पूछा जाए कि सबसे बड़ी जरूरत क्या है, तो शायद जवाब होगा रोजगार, सिंचाई, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन। कोई यह नहीं कहेगा कि हमें एक और योग समारोह चाहिए। क्योंकि जनता जानती है कि योग स्वास्थ्य का साधन हो सकता है, लेकिन भूख का समाधान नहीं। योग का महत्व अपनी जगह है। भारतीय संस्कृति ने पूरी दुनिया को योग का उपहार दिया है और इस पर गर्व होना चाहिए। लेकिन किसी भी सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होनी चाहिए कि प्रदेश का कोई बच्चा भूखा न सोए, कोई महिला असुरक्षित महसूस न करे, कोई किसान निराश होकर आत्महत्या न करे और कोई युवा बेरोजगारी से टूट न जाए। जब तक ये मूलभूत प्रश्न अनुत्तरित रहेंगे, तब तक केवल आयोजनों और उत्सवों से विकास की तस्वीर पूरी नहीं होगी। आखिर में एक काल्पनिक दृश्य की कल्पना कीजिए।

एक कुपोषित बच्चा सरकार से पूछता है
"साहब, मुझे भोजन कब मिलेगा?"

साहब मुस्कुराते हुए कहते हैं
"बेटा, पहले योग करो।"

बच्चा फिर पूछता है
"लेकिन भूख लगी है।"

साहब जवाब देते हैं
"प्रदेश स्वस्थ बन रहा है, तुम भी स्वस्थ रहो।"

बच्चा चुप हो जाता है। क्योंकि उसे समझ आ जाता है कि इस प्रदेश में कभी-कभी रोटी से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी तस्वीर होती है, और उसकी समस्या से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका इस्तेमाल किसी कार्यक्रम की भीड़ बढ़ाने में। योग कीजिए, अवश्य कीजिए, लेकिन उससे पहले यह भी सुनिश्चित कीजिए कि प्रदेश का कोई बच्चा भूख, कुपोषण और उपेक्षा का शिकार न हो। क्योंकि स्वस्थ समाज की शुरुआत योगासन से नहीं, बल्कि हर बच्चे की थाली में सम्मानजनक भोजन से होती है।

खनियाधाना में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास

अतुल जैन

अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों ने लिया नियमित योग का संकल्प

खनियाधाना। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल खनियाधाना में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

ये रहे मौजूद-कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोगराज मीणा, नायब तहसीलदार रामनरेश आर्य, बीआरसी संजय भदौरिया, विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र पुरोहित, भाजपा मंडल अध्यक्ष विवेक यादव, पार्षद सरदार सिंह परिहार, दाउद अली एवं बिट्टू केवट सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। विद्यालय प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार हिंडोरिया, शिक्षक मधुकर सिंह चौहान, शिक्षिका प्रेमलता पाठक, सोभा राजा चौहान व विद्यालय के समस्त स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास में भाग लिया।

"योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर"-अतिथियों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। सभी ने नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं निरोगी जीवन की कामना के साथ हुआ।

इंदौर में योग दिवस पर बना एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 10 हजार लोगों ने किया भ्रामरी प्राणायाम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंदौर ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। शहर में आयोजित विशेष योग कार्यक्रम के दौरान 10 हजार से अधिक लोगों ने एक साथ भ्रामरी प्राणायाम कर एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इस आयोजन में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामूहिक योगाभ्यास का हिस्सा बने। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और योग प्रशिक्षक शामिल हुए। निर्धारित समय पर सभी प्रतिभागियों ने एक साथ भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास किया, जिसकी निगरानी रिकॉर्ड दर्ज करने वाली संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा की गई। आयोजकों के अनुसार यह रिकॉर्ड योग और स्वास्थ्य के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है। कार्यक्रम का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति लोगों को प्रेरित करना था। योग दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न हिस्सों में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने बताया कि भ्रामरी प्राणायाम मानसिक शांति, तनाव नियंत्रण और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक माना जाता है। इंदौर की इस उपलब्धि ने योग दिवस समारोह को और खास बना दिया तथा शहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।

सिटी सेंटर के पास से लेफ्ट टर्न का हिस्सा चौड़ा करेंगे, वाहन चालको को मिलेगी सुविधा

इन्दौर। शहर (Indore) के कई लेफ्ट टर्न (left turn) और चौराहों को चौड़ा करने का काम निगम (Corporation) द्वारा शुरू किया गया था, लेकिन कई जगह लेफ्ट टर्न के लिए जमीनों का मामला उलझन में पड़ा हुआ था और अब अधिकारियों की समझाइश के बाद कई लोगों ने जमीनें देना शुरू कर दी है। हाईकोर्ट चौराहे (High Court Square) के लेफ्ट टर्न के लिए सिटी सेंटर पर 300 स्क्वेयर फीट जमीन मिली है और वहां जल्द काम शुरू होगा।नगर निगम ने डीआरपी लाइन चौराहे, इंडस्ट्री हाउस, नवलखा, विजयनगर सहित कई स्थानों पर लेफ्ट टर्न के लिए काम शुरू कराए थे, लेकिन कई जगह लेफ्ट टर्न में बाधक बाउंड्रीवाल और दुकानों के कारण मामले अटके पड़े थे। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक इनमें से कई जगह भवन स्वामी द्वारा जमीनें दे दी गई हैं।

इंडस्ट्री हाउस पर भी भवन स्वामी द्वारा दी गई जमीन के बाद लेफ्ट टर्न और चौड़े करने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके पहले भी नगर निगम को एक निजी संस्थान ने जमीन दी थी और बाद मे फिर वहां लेफ्ट टर्न की बाधाएं बरकरार रहने के चलते उसे और चौड़ा किया गया। इसके साथ ही हुकुमचंद घंटाघर चौराहे के लैफ्ट टर्न का भी काम आने वाले दिनों में शुरू किया जाना है, वहां भी कुछ निजी जमीनों के लिए बातचीत चल रही है। अफसरों के मुताबिक हाईकोर्ट चौराहे पर तुकोगंज थाने से आने वाले मार्ग से पलासिया जाने वाले मार्ग के लेफ्ट टर्न पर सबसे ज्यादा दिक्कत आती थी, क्योंकि वहां ट्रैफिक पाइंट पर वाहन चालक खड़े होते हैं और ऐसे में पलासिया जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी आती थी। अफसरों ने लेफ्ट टर्न के लिए सिटी सेंटर के प्रमुखों से बात की और उन्होंने जमीन देने पर सहमति दे दी। इसके बाद 300 स्क्वेयर फीट की जमीन के हिस्से में सिटी सेंटर द्वारा नई बाउंड्रीवाल बनाई जा रही है और बाउंड्रीवाल पूरी होने के बाद निगम द्वारा पुरानी बाउंड्रीवाल तोडक़र वहां लेफ्ट टर्न के हिस्से के लिए काम शुरू करवा दिया जाएगा। इससे वाहन चालकों को राहत भी मिलेगी और वहां जाम लगने की नौबत भी नहीं आएगी।

चिमनबाग और निगम चौराहे के काम भी अटके

नगर निगम द्वारा दो साल पहले चिमनबाग चौराहे को संवारने की योजना बनाई गई थी और इसके लिए वहां आसपास के हिस्सों में लेफ्ट टर्न चौड़े किए जाने थे और इसकी जद में पुलिस चौकी सहित कई दुकानें आ रही थीं, लेकिन दुकानों के झमेले के चलते मामला ही ठंडे बस्ते में चला गया। वहां चार से पांच चाट-पकोड़ी की दुकानें तोड़ी जानी हैं।

पुरानी रंजिश में स्कूटी को लगाई आग, आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने घर के बाहर खड़ी स्कूटी में आग लगाने की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार अन्नपूर्णा मंदिर क्षेत्र निवासी नीमा डांडिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 जून की रात उनके घर के बाहर खड़ी स्कूटी (एमपी 09 डीबी 0576) में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी, जिससे वाहन को नुकसान पहुंचा। शिकायत पर थाना अन्नपूर्णा में अपराध क्रमांक 280/2026 धारा 326(एफ) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर डीसीपी जोन-4 सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल एवं एसीपी अन्नपूर्णा शिवेंदु जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हित गोपाल यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे चंदन नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी आदित्य कोसे (19 वर्ष), निवासी रामा कॉलोनी, सिरपुर, थाना चंदन नगर ने पुरानी रंजिश के चलते स्कूटी में पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात स्वीकार की। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी हित गोपाल यादव, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, प्रधान आरक्षक राजेश गेहरवाल, आरक्षक विश्वद्र जाट, आरक्षक राकेश तथा साइबर सेल के गौरव परमार और अरविंद पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ओंकारेश्वर से महामंडलेश्वर भोला दास जी का आशीर्वाद प्राप्त किया

महू-इंदौर- जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया ओंकारेश्वर से महामंडलेश्वर भोलादास जी हमारे निवास ग्राम भिचौली में पधारे उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया और पूरे परिवार ने आशीर्वाद प्राप्त किया। आध्यात्मिक गुरु जी से सनातन धर्म का जो ज्ञान प्राप्त हुआ वह अद्भुत है। हमारे लिए सौभाग्य है कि उनके गुरु वचन सुनने का अवसर मिला।

सरकारी ताजिया निर्माताओं का किया गया सम्मान, संस्था सर्व धर्म संघ द्वारा सेहरा पेश कर दी गई भाईचारे की मिसाल

इंदौर। मोहर्रम के अवसर पर संस्था सर्वधर्म संघ द्वारा हर वर्ष अनुसार इस वर्ष भी इंदौर इमामबाड़ा पहुंचकर सरकारी ताजिया के निर्माताओं का संस्था अध्यक्ष मंजूर बैग एवं एसीपी सराफा विजय तिवारी जी के हाथों सम्मान किया गया।

संस्था के पदाधिकारियों एवं साधु संतों की उपस्थिति में सरकारी ताजिया के निर्माण में वर्षों से योगदान दे रहे सलमान खान, सरफराज खान एवं उनके परिवार का स्वागत कर उन्हें सम्मान-चिन्ह भेंट किया। बताया गया कि होलकर वंश के समय से इंदौर के सरकारी ताजिया के निर्माण की परंपरा उनके परिवार द्वारा निभाई जा रही है। इस वर्ष भी परिवार के बच्चों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सरकारी ताजिया का निर्माण किया, जिसके लिए उनका विशेष सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संस्था सर्व धर्म के अध्यक्ष मंजूर बैग, एसीपी सराफा विजय तिवारी जी, राष्ट्रीय सूफी संत अरूणानंद महाराज, राजनाथ बाबा, इदरीस बाबा, माहिर शाह वारसी,अनवर शाह वारसी द्वारा सरकारी ताजिए पर सेहरा पेश कर तबर्रुक वितरण कर आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया तथा इंदौरवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए दुआ की गई। कार्यक्रम में सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग, उपाध्यक्ष रियाज खान, मुकेश बजाज, सोहेल पठान, इदरीस बाबा, माहिर शाह बाबा, मोहम्मद इलियास, जाकिर ख़ान, अमान वारसी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आबकारी इन्दौर की कार्यवाही

कलेक्टर महोदय जिला-इन्दौर, श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा *कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं ADEO राघवेंद्र सिंह कुशवाह एवं जहांगीर खान तथा वृत्त-पलासिया एवं वृत्त- बालदा कॉलोनी उप-निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के द्वारा दिनांक-20/06/2026 को दौराने गश्त विश्वसनीय मुखबिर के सूचना के आधार पर केसरबाग ब्रिज के नीचे देवेंद्र नगर में *दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-ZF-8837 काली रंग की पल्सर मोटरसाइकिल गाड़ी को रुकवाने पर आरोपी गाड़ी को दौड़ाने की कोशिश करते हुए मोटरसाइकिल गिरने पर उसको छोड़कर भाग गया, तलाशी लेने पर तीन बोरियों में 374 पाव देशी प्लेन मदिरा (कुल 67.32 बल्क लीटर)*और एक थैली में 12 पाव मसाला मदिरा बरामद किया गया जो 2.16बल्क लिटर कुल मदिरा 69.48 बल्क लिटर जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी ,को विधिवत् जप्त कर कब्जे आबकारी लिया जाकर आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)A , 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। बाल आरोपी को गिरफ्तार कर आज दिनाक 21.6.2026 को बाल न्यायलय प्रस्तुत कर बाल सुधार गृह भेजा गया। उक्त प्रकरण में कारण, अंकित, लोकू आदि के नाम अभियुक्त द्वारा बताये गये, उक्त प्रकरण में विवेचन जारी है । आरोपी जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य =119708/- रुपये* है। आज की कार्यवाही में आरक्षक संगीता यादव, बबलू सिसोदिया, तरुण सिंह जाट, परमजीत कौर, अजय चंद्रवाल तथा वाहन चालक निखिल का सराहनीय योगदान रहा ।

सहजयोग स्वयं को पाने का मार्ग

हम अपने जीवन में प्रमुख रूप से तीन तरह के मनुष्यों को देखते हैं। पहले वे जो हमेशा दूसरों की शिकायत ही करते रहते हैं वे अहंकार से ग्रसित होते हैं और दूसरों को दबाने का प्रयास करते हैं। दूसरे प्रकार के लोग मानो हमेशा दुखी रहने के लिए ही जीवित रहते हैं, कोई भी चीज उन्हें खुश नहीं कर सकती है। तीसरे वे लोग होते हैं जो अनुकूल या प्रतिकूल हर स्थिति में प्रसन्न रहते हैं, जो कुछ भी उन्हें उपलब्ध होता है, उसी में संतुष्ट रहते हैं। इस संसार को इन तीनों परिस्थितियों ने ही ढक रखा है और लोग उन्हीं परिस्थितियों के चश्मे से संसार और संसार के रचयिता को देखा भी करते हैं। तीसरी तरह के जो लोग हैं वे सहज योगियों जैसे हैं, हर हाल में खुश।

वास्तव में यह संसार निराकार परमात्मा का ही साकार रूप है। यह दुनिया अदृश्य सत्ता की काया और अबोल का बोल है। जैसे नदी को पार करने के लिए जल में उतरना पड़ता है। वैसे ही सांसारिक परिस्थितियों की सरिता को पार करने के लिए उसमें उतरना पड़ता है और पार उतरने की युक्ति जानने के लिए गुरु के पास जाना पड़ता है। गुरु से ही परिस्थितियों की ओट में छिपी वास्तविकता का बोध होता है। साकार समस्याओं के मूल में अवस्थित अरूप परमात्मा का साक्षात्कार होता है। जो मनुष्य गुरु कृपा से प्राप्त युक्ति का इस्तेमाल करता है, वह इस किनारे से उस किनारे तक की यात्रा को सुरक्षित रूप से पार करने में सफल होता है। भवसागर को पार करने का आनंद तैराक योगी को ही मिलता है। नाव में बैठे सामान्य मनुष्य भी श्रद्धा और भक्ति मार्ग का सहारा ले सांसारिक समस्याओं के भोगते होते हुए भी उसे पार करने में सफल हो जाते हैं। पर, जीवन का आनंद कहीं गुम हो जाता है। यदि ऐसा हुआ तो जीवन का उद्देश्य ही अधूरा रह जायेगा। हमारे जीने का अर्थ ही नहीं रह जायेगा। सहज योग माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर हम जीने का अर्थ पाते हैं। भक्ति और उपासना से ज्यादा महत्वपूर्ण है अपने को पाना। जीवन तभी सफल है ना जब हम अपने परमपिता परमेश्वर से जुडते हैं। 29 अक्टूबर 2000 के अपने एक प्रवचन में श्री माताजी ने हमें समझाने का प्रयास किया है, "श्रद्धा का अर्थ केवल प्रार्थना करना नहीं है, यह मात्र विश्वास करना ही नहीं है, अपितु श्रद्धा वह है, जिसके कारण आप अपनी भक्ति व समर्पण से मिली उपलब्धियों का आनंद अपने हृदय में लेते हैं। इसे ही श्रद्धा कहना चाहिए।" इस अनुठी ध्यान पद्धति से जुडने हेतु व आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी

सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

असम में अंबुबाची मेला की तैयारी तेज

पूर्वी भारत के सबसे बड़े और बेहद पवित्र धार्मिक उत्सवों में से एक अंबुबाची मेला इस साल 22 जून से शुरू होने जा रहा है. सनातन धर्म के बेहद प्राचीन और प्रामाणिक ग्रंथ कालिका पुराण के मुताबिक असम के गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित मां कामाख्या देवी का मंदिर बेहद चमत्कारी है. ये पावन धाम पूरे देश में मौजूद 51 शक्तिपीठों में सबसे प्रमुख माना जाता है. इस मेले के लिए असम सरकार और कामाख्या मंदिर प्रबंधन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं. गुवाहाटी की ऐतिहासिक नीलाचल पहाड़ी पर स्थित माँ कामाख्या मंदिर में इस वर्ष देश-विदेश से 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, साधु-संतों और तांत्रिक साधकों के जुटने की उम्मीद है।

कब होगी मेले की शुरुआत?

देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र और स्त्री शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय उत्सव 22 जून को 'प्रवृत्ति' के साथ शुरू होगा और 26 जून को 'निवृत्ति' के साथ समाप्त होगा. इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर के कपाट पूरी तरह बंद रहेंगे और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं. कामाख्या मंदिर प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक इस साल मेले की शुरुआत 22 जून को रात 9 बजकर 8 मिनट 42 सेकंड पर होगी. ज्योतिषीय गणना और धार्मिक नियमों के अनुसार इसी समय पर प्रवृत्ति अनुष्ठान किया जाएगा।

कालिका पुराण और तंत्र शास्त्रों की मान्यताओं के अनुसार इसी खास समय से माता कामाख्या के वार्षिक रजस्वला यानी मासिक धर्म के दिन शुरू होते हैं. ये पूरा उत्सव असल में धरती माता की उर्वरता यानी उपजाऊ शक्ति और सृजन का एक बड़ा प्रतीक माना जाता है. इस पावन मेले को लेकर मंदिर प्रशासन और असम राज्य सरकार ने मिलकर अभी से बहुत बड़े लेवल पर तैयारियां शुरू कर दी हैं.8 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद असम की पर्यटन मंत्री अजंता नियोग ने मेले की व्यवस्था को लेकर कहा, "यह देश का सबसे बड़ा धार्मिक अंबुबाची मेला है. भारत और विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं. हम श्रद्धालुओं को पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर तरह से तैयार हैं. हमने निचले स्थानों पर भी शिविर और भोजन की व्यवस्था की है7 लगभग 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए इस आयोजन का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है. हम श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हैं कि वे मेले के दौरान सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर अवश्य आए " मेले के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, परिवहन और आवास सुविधाओं के लिए 24 विभागों में 4.55 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. मंदिर अधिकारियों ने सभी ऑफलाइन विशेष दर्शन काउंटरों को भी बंद कर दिया है. विशेष दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं को ऑनलाइन पास बुक करना होगा, जबकि सामान्य दर्शन निःशुल्क रहेंगे.अंबुबाची मेले का महत्व मां कामाख्या मंदिर में साल में एक बार अंबुबाची मेला लगता है. . इस मेले से बहुत ही प्राचीन और गहरी धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है. ऐसी मान्यता है कि इस वार्षिक मेले के दौरान मां कामाख्या अपने मासिक धर्म यानी रजस्वला से गुजरती हैं. यही कारण है कि इस दौरान देवी मां को पूरा आराम दिया जाता है और मंदिर के मुख्य कपाट तीन दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए जाते हैं. इन तीन दिनों में मंदिर परिसर में किसी तरह की कोई पूजा-अर्चना, आरती या अन्य कोई भी धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते. चौथे दिन, खास शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बादमंदिर के पट भक्तों के लिए खोले जाते हैं।

उद्धव गुट के बागी सांसद कर सकते हैं अलग होने का औपचारिक एलान

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में एक बार फिर बड़ी फूट होती नजर आ रही है। पार्टी के कुल 9 लोकसभा सांसदों में से 6 बागी सांसद आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बगावत का औपचारिक एलान कर सकते हैं। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ये बागी सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हुई अपनी मुलाकात की तस्वीरें, वीडियो और उन्हें सौंपा गया पत्र सार्वजनिक करेंगे, जिसमें उन्होंने ठाकरे परिवार पर विचारधारा से भटकने का आरोप लगाया है।

इस दौरान वह उन वजहों का भी खुलासा कर सकते हैं, जिसके कारण ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाले संगठन से अलग होने का निर्णय लिया। इससे पहले बागी नेताओं ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरलासे मुलाकात की है और उन्हें अपनी निष्ठा में बदलाव की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने दावा किया कि ठाकरे परिवार के विचारधारा से भटकने के कारण उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस पर दलबदल विरोधी कानून लागू नहीं होगा।

बताया जा रहा है कि वह जरूरत पड़ने पर स्पीकर ओम बिरला से दोबारा मुलाकात करेंगे। बताया यह भी जा रहा है कि अपना समर्थन घोषित करने से पहले उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे से भी मिल सकते हैं। ठाकरे परिवार में विभाजन तय ठाकरे परिवार की शिवसेना में दूसरी बार विभाजन होना अब तय लग रहा है, लेकिन कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हो पाई है। हाल ही में हुए शिवसेना स्थापना दिवस समारोह में बागी सदस्यों ने बेहद सतर्कता बरती और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मंच साझा नहीं किया। इसके पीछे सीधा कारण यह था कि वे खुद को पार्टी से अलग हुए सदस्य के रूप में प्रदर्शित नहीं करना चाहते थे। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि ठाकरे परिवार उन पर स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ने का कानूनी आरोप न लगा सके। उद्धव ठाकरे ने पार्टी में और अधिक टूट रोकने के लिए बागी सांसदों के गढ़ों यवतमाल, परभणी, हिंगोली, धाराशिव और शिरडी का तीन दिवसीय डैमेज कंट्रोल दौरा शुरू कर दिया है। उनका यह दौरा सोमवार तक चलेगा।

अब AI के जरिये होगी सबरीमाला मंदिर की सुरक्षा

विश्व प्रसिद्ध सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर की सुरक्षा अब हाईटेक होने वाली है। आगामी तीर्थयात्रा सीजन से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए मंदिर प्रशासन आधुनिक विज्ञान की मदद लेने जा रहा है। जानकारी के अनुसार त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) मंदिर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित एक आधुनिक 'पिल्ग्रिम मैनेजमेंट सिस्टम' लागू करने पर विचार कर रहा

है। TDB के अध्यक्ष के. जयकुमार ने देश भर के विशेषज्ञों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह AI पहल 'विज़न सबरीमाला' प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसे पहले ही केरल हाई कोर्ट के सामने रखा जा चुका है और कोर्ट ने इसे मंजूरी भी दे दी है। असम में अंबुबाची मेला की तैयारी तेज, कामाख्या मंदिर में शुरू होगा चार दिवसीय उत्सव ; 8 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीदकैसे काम करेगा AI-बेस्ड सिस्टम? बैठक में शामिल ADGP मनोज अब्राहम ने इस तकनीक की बारीकियों को शेयर किया। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफॉर्म कई आधुनिक तकनीकों का एक मिश्रण होगा:-

हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरे, इन्फ्रारेड सेंसर, ड्रोन और जीपीएस मैपिंग के जरिए तीर्थयात्रियों की आवाजाही पर नज़र रखी जाएगी। सिस्टम भीड़ बढ़ने से पहले ही उसकी भविष्यवाणी कर देगा। यदि रास्ते में कहीं भी जाम या भारी भीड़ की स्थिति बनने वाली होगी, तो AI सिस्टम अधिकारियों को तुरंत अलर्ट और जरूरी कदम उठाने के सुझाव भेजेगा। भारी बारिश या बिजली गिरने जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी यह मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

जैसे गूगल मैप्स वाहन चालकों को रास्ता दिखाता है, वैसे ही यह सिस्टम श्रद्धालुओं को लाइव अपडेट देगा कि किस रास्ते पर कितनी भीड़ है और उन्हें दर्शन के लिए कितना इंतजार करना पड़ सकता है। इस तकनीक के आने से हर साल भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती पर निर्भरता कम होगी और हर सीजन में अधिकारियों के बदलने के बावजूद भीड़ प्रबंधन का तरीका एक समान बना रहेगा।